अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

Volume 8, Issue2, (April-June 2020)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

कोरोनासंकटरू भविष्य की संभावनाएंए आजकेप्रश्न

अभिजीतमोहन, सहायकप्राध्यापकदृ हिन्दी

राजकीय कला महाविद्यालय, उमरगोटजिº सूरत

शोधसारांश

कोविद.19

नेसम्पूर्णविश्वकोएकअनिश्चितभविष्यमेंडालदियाहै।इसमेंकोईसंशयनहीकि 'वैश्वीकरण 'इसकेप्रसारकाए कमहत्ताकारकरहाहै।किंतु 'अर्थव्यवस्था 'कादबावइतनाहैकिवैश्विकसरकारेंअपनेकोबचानेकेलिए 'राष्ट्रीयता 'और 'निजीअस्मिता 'को

प्रोत्साहनदेरहीहै।ऐसाकरतेहुएउसे 'कॉरपोरेटमहत्वाकांक्षाओं 'केसम्मुखचाहे.

अनचाहेझुकनाभीपड़रहाहै।इससेमहामारीकाबाज़ारीकरणबढ़ाहैतोव्यक्तिगतऔरसामाजिकपहचानका संकटबढ़गयाहै।साथहीसामाजिकवैषम्यएकनितांतनईपरिभाषिकीकीओरअग्रसरहै।समस्याइसलिएऔर गंभीरहैक्योंकिइससेनिपटनेकीकोईदृष्टिकिसीअनुशासनमेंनहीहै।ऐसेमेंयहांएकवैकल्पिकसाझाअनुशासन कीसंकल्पनाकीगईहै।ऐसाकरतेहुएभवितव्यसेभीमुखातिबहुआगयाहै।विषयअत्यधिकगंभीरहै।अतःयहां फॉकऑल्टकी 'कपेबनतेपअम वितउंजपवद '

प्रक्रियाकोएक 'प्रयुक्ति 'केरूपमेंअपनायागयाहै।विभिन्नप्राघटनाओंकोएकपट्टीपरलेतेहुएआवश्यकविमर्शहेतुभूमिकाबनानेकाप्रयासहै।

बीजशब्द (कीवर्ड)

आपघातए कोरोनाए अस्मिताए कृत्रिमबुद्धिए मैकेनिज़्मए सोशलमीडियाए शिक्षानीतिए ग्लोकलए अकादमिकए भाषाए अनुशासनए अर्थव्यवस्थाए समाजशास्त्रए अस्तित्व।

कोरोनासंकटरू भविष्य की संभावनाएंए आजकेप्रश्न

एकफिल्मआईथी"पीपलीलाइव"।किसानोंकीखस्ताहालजिंदगीऔरआत्महत्याकेमसलेकोश स्टायर ' केमाध्यमसेउम्दाफिल्मायागयाथा।किसानोंकाआपघातऔरउसपरकीराजनीतिहमारेयहांकापुरानारोजना मचाहै।मीडियाऔरप्रबुद्धजनइसेइससेज्यादाअहमियतनहींदेते।दरअसलप्रेमचंदका' कफ़न ' हमेशासेदेशकाइस्टिग्माबनाहुआहै।जिसेधोनेदृ ढापनेकेअसफलप्रयासोंके बाद अबसामान्यप्रघटनामानसंतोषकरलियागयाहै।

भारतयाहिंदुस्तानमेंहीयहसंभवहुआ।अन्यथाइंडियामेंआपघातएकसनसनीयाब्रेकिंगन्यूजहै।जिसपरचहुं ओर शोरएकमेंट्सए वीडियोए डिबेटऔरट्वीटउगआतेहैं।पुरानेराजजुगालीकरतेहैं।नयीउबटनमथीजातीहै।हरओरव्योमकेशबक्शीकेअ क्सनजरआतेहैं।सलाहदृ मशवराअपनीउच्चतमवैज्ञानिकपरिणतिपरहोताहै।औरयहसबबेसबबभीनहीहै।जोगयावहअपूरणीयक्षति होताहै।आखिर 'स्लैब्स' सार्वजनिकअपनेहोतेहैं।उनकेजानेसेजोवैक्यूमबनताहैउतनातोभारतकेसैकड़ोंकिसानोंकेसामूहिकआपघा तसेभीनहींबनसकता।

अंग्रेजियतमेंमलहमकीभांतिपरोसागयायेद्वैतवादसमयबीततेबीततेइतनाशाइनिंगऔरफर्निश्डहोचुकाहैकि इंडियामेंभारतचायमेंघुलीशक्करहोगया।ख़ैर।इधरअभीपूरेउफ़ानपरआएहीथे।उधरसाम्राज्यवादीड्रैगनके जबड़ेखुलगए।बीसियोंजाबाज़शहादतें बैचेनकरगई।ब्रेकिंगन्यूजतोयहभीबनी।लेकिनसनसनीनहींबनी।कुछ 'रेडबुक ' वालेराष्ट्रभक्तज़रूरभिनभिनाएं।परवालपोस्टऔरट्वीटपरजूंभरहीरेंगी।ऐसालाज़मीभीहैक्योंकियुवाइंडिया अभीसदमेमें है ।सीमाएंहैं तब मुठभेड़भीहोगी।नयाक्याहै ? टेकदृ सेवीयुवाअबइमोशनदृ सेवीभीहो गया है।प्रतिक्रियाकबए कहांऔरकैसेदेनीहैजानता है।ज़रा याद कीजिए।दिसंबरका' कोरोनादृदैत्य ' तकहतप्रभहैकिइतनाअसाध्यजानलेवाबनकरभीवहछ महीने में हीपुरानीयादबनरहगयाहै।उसेक्यापताहमारीभूमिबनीहीदैत्यसंहारके लिए।ऐसे ही सनातननहींकहलातेहम।वरनादेखिएपश्चिमकोइसदैत्यसेपस्तहुएकिकालेदृ गोरेरंगपरबवालकरगए।दरअसलहज़ारीप्रसादजीने ' शिरीषकेफूल ' काश ठूट '

Volume 8, Issue2, (April-June 2020)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

रूपतोभांपलियाथाकिन्तुउसकेजड़अंदाज़कीआहटनलेपाए।शायदखुदसेपल्लवितहोनेकोछोड़गएहोंगे।दूसरेएतीसरे३ण्ण्याअनंतपाठोंके लिए।

कुछचीजेंखासहोतीहैं।जैसे ' अस्मिता ' ।याऐसेविमर्शजोकिसीसैद्धांतिकीतकपहुंचेहीनहींऔरब्रांडबनाकेचस्पादिएगए।अधूरेपनकीकोटिशपगडंडियांहैं।रास्तेखुरदरेऔरलम्बेहोतेहैंपगडंडियांवोबाय.

पासहैंजोसफ़रकोआरामदायकएवमछोटाबनानेकाआभासदिलातेहैं।परइसफेरेमेंबहुतकुछपीछेछूटजाताहै।जोअन्यथायाकुछपरमविद्वतजनोंके लिए 'हैशटैग' बनजातेहैं।हरपसारेधूप.

छावहोतीहीहै।यहांभीकुछऐसा हीहै।परजल्दआस्माचूमनेकीचाहमेंत्रिशंकुकीकहानीकोबारबारअनदेखाकरदियाजाताहै।नतीजतन।खेमेंबनाएऔरतलाशेजातेहैं।लोकतंत्र की यहीखूबीउसेसर्वप्रियबनातीहै।श लघुमानव ' काजनकएकओररहजाताहैऔर ' नएप्रतिमान ' स्थापितहोजातेहैं।अभीजो ' नेपोटिज्म ' कीबीनजोरोंपरहै।उसकीधुनतोसमूचेइतिहासमेंमौजूदरहीहै।नयाक्याहै ?क्यादबावकेवलउच्चाईपेहीजोरोंपरहोताहै? कभीजमीमेंगहरेउतरकरतोदेखिए।वहांकेआपघात भीपारिस्थितिकीजन्यइसलिएशहादतहीहोतेहैं।औरक्योंन हो ।इस ' लॉक डाउन ' केदरम्यानजमीकितनीबारलालहुईऔरहोरहीहै।उसकाक्या ?केवलसहानुभूतिउसकाहलनही।क्याउनकीकोईअस्मितानहीं।इसपरविमर्शकौनकरेगा ?आजतोपरिवारभी ' टीआर पी ' पर उलझतेऔरसुलझतेहैं।

ईमाइलदुर्खीमने ' लेसुसाइड ' मेंआपघातकोसामाजिकतथ्यबतायाहै।जर्मनीमें९० केदशकमेंजॉर्जबटगेरियटने ' दडेथकिंग ' नामकीप्रयोगधर्मीफिल्मबनाईथी।सातकिश्तोंमेंयेफिल्मआपघात कीसातखामोशियांबयांकरतीहै।हरपल ' ट्रोल ' कोबेताबनज़रिए को एकबारइसखामोशीसेगुजरकरदेखनाचाहिए।अपनेवजूदकोजिलाएरखनेकागोरखधंधाहीहै।जिसनेधर्मऔरजादूकोपरोसा।औरजिसकासहारालेकरसमाजकीबुनियादरखीगई।लेकिनक्यासमाजअपनाप्रकार्यपूर्ण करपाया? प्रसिद्धइज़रायलीइतिहासकारयुवाननोहाहरारीकीपुस्तक ' होमोडियसरू एब्रीफ हिस्टरी ऑफ टूमारो ' को यहांमथनाचाहिए।हालांकिबड़ेमठोंमें ' कापीदृ पेस्ट ' कासमुद्रदृ

मंथनअपनेआगाज़परहीहोगा।ख़ैर।हमारेकलए

आजऔरकलकाएकएल्गोरिथमवेबुनपाएंहैंवहएकप्राकल्पनाहोकरभीसचसेज्यादादूरनहींहै।मज़ादेखिए। आयातितनजरियोंपरजिंदाहमारेस्वनामधन्यबुद्धिजीवीयहसमझहीनहींपारहेहैंकिवैश्वीकरणकीखिसकतीधुरीहमेंउसनईदुनियाकीओरधकेलरहीहै।जिसमेंहमसबकावजूदनियतिकेहाथोंसेनिकल कर ' साइबॉर्ग ' केसमीकरणोंपरनिर्भरकरेगा।' कृत्रिमबुद्धिमत्ता ' कालगातारबढ़तावर्चस्वबेजानहींहै औरकोविद
19
नेदुनियाकोजोसन्नकरदियाहैवहपहलीदस्तकहै।जेनेटिकवैश्वीकरणकी।जिसमाफिकयहवायरसम्यूटेशन कररहाहैवहइशाराहै.कंप्यूटरवैज्ञानिकलेसलीवालिएंटनेजिस ' इकोरिथम '
कीबातउठाईहै।उसकाऔरहमारेभविष्यकाभी।

दरअसलहमसबएक ही पसारे बैठते
हैं।मतलबपूरीदुनिया।यादकीजिए।भगवतीचरणवर्माकाउपन्यास ' चित्रलेखा ' ।जहांपापदृ
पुण्यपरप्रश्नदृ
चिन्हउठायागयाथा।तबकातोनहींपता।किन्तुआजउसकाजवाबसामनेहै।हरारीकोसाथलेंतोकहसकते हैं कि अच्छादृ बुरासबकुछहमपेनिर्भरहै।यहांतर्ककामहत्त्वबढ़जाताहै।यक़ीनमानिए'केमिकललोचा ' एकतथ्यहै औरअबहमेंइसतथ्यकोभीस्वीकारना होगा किहमारापंचभूतशरीरमहज़ एक मशीनहै।वस्तुतरू ब्रह्माण्डखुदएकअबूझमैकेनिज्महै।जितनीपरतोंकोहमउघाडपाएं
हैंउससेभीमौजूहैं'डार्कमैटर ' जिसकाहोनाभरहीए
सभीप्रश्नचिन्होंकोएकवलयमेंथिरकरदेताहै।हरारीनेजिस ' इम्मोर्तालिटी '
कोभवित्व्यस्वीकाराहै।पहलेभीइसकेस्वप्निलभग्नावेशमानवसंस्कृतियों में
देखेंगएहैं।मानवशास्त्रीयअध्ययनोंसेभीसाफहै किअपनेप्रारम्भिक जीवन में
हमऔरप्रकृतिअद्वैतहीथे।नवीनतमखोजों से यहतथ्यसामनेहैकि ' गट ' दृ सामान्यभाषामेंकहें तो ' आंत ' हमाराष् सेकंडब्रेन '
है।जोनकेवलहमारेमस्तिष्ककोबल्किहमारीभावनाओंकोभीप्रभावितकरताहै।यहांयकायक ' सतदृ रजदृ तम '
कीपरिकल्पनाकौंधतीहै।यकीननआनेवालीअर्थव्यवस्थाअत्यधिकतनावपूर्णहोगी।कारणहोगा

उसकाबौद्धिकसंकेद्रण।हरारीयहीमानतेहैं।मार्क्सऔरदेरिदाकोखारिजियाफैशनसमझनेवालोंकोतबयह फिरउलीचनाहीहोगा।तभीसात्र की बांसुरीकीबीनमेंडूबेचूहोंकाघाटीमेंगिरनेकोभी एकप्रघटनाकेरूप में देखनाहोगा।'सिक्स सेंस या ' गटफीलिंग ' इसीलिएअधिकव्यवहारिकअधिकठोसमानी जा सकती है क्योंकिवहकहीं न कहीं हमारेयथार्थपरिवेशसेसीधेजुड़ीहोतीहै।

यादकीजिए।हमारेसाहित्यकावहदौर।जहांबहुतसेवादए
धाराएंऔरउलझनेंथी।दरअसलउसझंझावतकोदरकिनारकरनामचीनोंनेनकार दिया था ।आलोचनाकोअपनीसुविधाचाहिएथीऔरप्रकाशनकोअपनेमठ।यहांतकभीठीकथा।गड़बड़तबहुई जब प्रगतिवादकोजनवादकानयाचोलापहनाकेसाहित्यकोएकखूंटेसेबांधदियागया।इसएनाटॉमीनेहमेंविश्वसाहित्यमेंबहुतपिछड़ाबनादिया।तुर्रायह कि इसबासीउबालकोबादमेंफेमिनिज्मए
मॉड्रेनिज्मएकोलोनियनए सबाल्टर्नऔरभीनजानेकितनेआयातितनजरियों पर
लेकरअबमार्जिनलाइज्डपरलाउफाना है ।कितनादुखदहै।प्रेमचन्द. शुक्लदृ प्रसाददृ
निरालाकीभारतीयताकाअवसानयूंइंडियामेंहुआकिचेतनभगतदृ अरुधंतिरायदृविक्रमसेठदृ
अमिताभघोषनईपहचानबनबैठे।बातभाषाकीनहींहै।यदिऐसाहोतातोराजकमलचौधरीयाभुवनेश्वरकीअहमियतआंग्लभाषामेंचर्चितनहींहोती।येविडम्बनानहींहै ?
हिंदीकेसाहित्यकारकोअपनीपहचानअंग्रेजियतमेंखोजनीपड़ रही है
।।बड़ासवालहै।इसलिएभीक्योंकिआजकेलब्ध प्रतिष्ठित
साहित्यकारभीअनुवादकढूंढ़तेहैं।फिरदौरचलताहैसोशलएडवरटाइज़िंगका।यहांजोअस्मिताकाप्रश्नबनता हैउसकारहनुमाकहांहै ?

पाशकोस्मृतिमेंलाइए।निरालाकापागलपनयादकीजिए।परसाईजी की
पीड़ाउठाइए।औरमुक्तिबोधकादर्दपीजिए।अनगिनतनामहैं।अनगिनतमसलेहैं।अनगिनतविसंगतियांहैं।सचदृ झूठकेअनगिनतपर्देहैं।परक्यायेकोईअंतहोसकताहै
?मशीनबिगड़सकतीहैपरभंगारनहींहोसकती।कोईनाकोईउपयोगनिकलहीआताहै।वैसेभीजुगाड़ुपनहमारीखासियतहै।जरागहराईमेंजाइए।' पलायन ' कोअमूमननकारात्मकहीलियाजाताहै।कारणए श ऑप्टिमिस्टिज़्म ' कोमानवीयजिजीविषासेकस के बांधदियागयाहै।किन्तुक्यायहीवास्तवहै ?नहीं।वजहहै।पलायनकीवृत्ति।प्रसादकी ' मेरेनाविक ' होयानिरालाकी ' बादल राग '

दोनोंएकहीपसारेबैठतीहै।दरअसलपलायनअनिच्छितकेप्रतिहोताहै।अभीहाल ही में निरालाकाव्यसेपुनःदो.

चारहोनेकामौकामिला।शायदवेऐसेएकमात्ररचनाकारहैंजिनकोसमझनेमेंहमारेनामचीनआलोचकभीफी केपड़गए। ।बातयहनहीं है कि वेकितनेबड़ेरचनाकारथे।मुद्दायेहै किहमकितनेसमझदारहैं।"मराहूं हजारमरण"कहकरनिरालानेसबकुछकहदियाथालेकिनदुनियाअबभीइसकामर्मनहींसमझपाई है ।खैर।अभीताजातरीनट्वीटआयाहैस्वनामधन्यचेतनभगतजीका।सुशांतसिंहकीफिल्म ' दिलबेचारा ' पर।दूसरों की चिता परअपनीरोटियांकैसेसेंकीजाएइसकाउम्दाप्रदर्शनहै यह पोस्ट।लगभग ' मीटू ' जैसामाहौलहै।अरेभैय्या ! अबतकक्यामजबूरीथीकेचुप्पी साध रखी

थी।अगरगलतहुआतोतबभीएअबभीऔरआगेभीगलतहीरहेगा।फिर?काहेमौनीबाबाबनेहुएथे ?

दरअसलविज्ञापनकेइसदौर में औचित्यसिद्धांतएकनईप्रयुक्तिबनउभरताहै।जरासोचिए कि जिसदेश में आपघातएकसामान्यप्राघटनाहैवहांइतनाप्रोपेगेंडा ?बातसुशांतकीनही है बातहमसबकीहै।टी आर पी कीअंधी दौड़ नेहमेंभीपैरलाइज्डकरदिया है ।यहांयहभीसमझनाहोगाकिसिल्वरस्क्रीनसबकीहै और

यहांसबपैसेकागणितहै।एकबातजोयहांमायनेरखतीहै।बहुतसेनामचीनहैंजिन्होंनेइसीबॉलीवुडमेंअपनानया मुकामबनाया है ।बावजूदनेप्टोइज्म के ।खैरए

मुझेयहांमहाप्राणनिरालाऔरबाबासाहेबयादआरहेंहैं।शर्तियाआजकेग्लैमराइज्डआपघातकोउनका 1 फीसदीभीसंघर्षयाविरोधनहींझेलना पड़ा होगा।यहींमीडियाऔर सोशल नेटवर्किंग कीभूमिकासंदिग्धनजरआतीहै।

अभी. अभीसरकारनेनईशिक्षानीतिपेशकी है ।बेहदउम्दाहै।।युवाकोऔरयुवाबनानेकाबहुत बड़ा बहुतगंभीरप्रयासहैये।अबमुझेमैकालेयादआ रहा है ।।यहीतो मुश्किल है।दरअसलहमएकदिग्भ्रमितहैं।काशहमभीफिल्मीहोते।सबआसानी से होजाता।मुझेयादआ रहा है कि एक फिल्मथी।गब्बरइजबेक।वास्तव में हमेंएकदिशाचाहिएऔरयहबिनाकिसीबोध के संभव नहीं ।' ग्लोबल ' से ' ग्लोएक्ल ' कीओरबढ़ना ' कोरोनाग्रस्त ' बाय.

प्रॉडक्टहै।वैसेजापानियोंकेखेतोंसेउपजाश डोचाकुका ' शब्दयूंवायाअकिओमोरिता (सोनीकार्पोरेशन के संस्थापक) म्यूटेशनपाजाएगा।किसेपताथा ?

परतकनीकीविकासकेनिरंतरबढ़तेअतिक्रमणकेमध्यनजरइसेमानवीयजिजीविषा की

प्रतिरोधीरक्षाप्रणालीहीमानाजानाचाहिए।मशीनऔरमानवअस्तित्वकासंघर्षबहुतसीहॉलीवुडफिल्मोंमेंदर्शा यागया है।उनविज्ञानकथाओंकाकयासप्रकारांतरसेसचकीतलाशकेकाफीकरीब ही है।' न्यूरालिंक' तकनीकइसकाशुरुआतीचरणहै।' डार्क मैटर ' कॉस्मोलॉजीमेंपढ़ाहीहैअब' बायोलॉजिकलडार्कमैटर 'याकहे ' अबूझजीनोम ' भीसामनेहै।यहांफिरसेविज्ञानदर्शनकोसाझाकरतादृष्टिगतहोता है ।क्यायहां ' अद्वैतवादीगूंज ' नहींसुनाईदेती।इस ' ग्लोकल ' सोचकीओरजानाबामुश्किलतोहै लेकिन नामाकूलनहीं।

जड़ों से कट कर ' बोनसाई ' तोबनाजासकता है तथापिरहजायेंगेनुमाइशी।जैसामाहौलअभीविश्वकोबहुतकुछसोचनेपरमजबूर कर रहा हैवहसंयतरहकरधनावेशनहींसर्जितकरसकता।यहहमारेउनबुद्धिजीवियोंकोभीसमझनाचाहिए कि ' कलगीबाजरेकी ' कोपुनःसंरचितकरनेकीजरूरत है अन्यथाए बासीकढ़ीकाउबालकबतकऔरकितनापचेगा।दरअसल।मामलाअभिव्यक्तिऔरअभिव्यंजनाकाहै औरमहत्वपूर्णइसलिए किभाषिकअर्थछवियों कीरूढ़परम्पराबौद्धिकउत्तेजनकोश डेमइट ' बनादेतीहै।हमारीशैक्षिकव्यवस्थाकायेबड़ालूपहै।औरयेमहत्तीवजहहै।तदर्थए नातोयहांबावजूदतमामकोशिशों के शोधऔरअनुसंधान कीगतसुधरी।नाहीयहांकॉपी. पेस्टऔरभारीवबोझिलसंदर्भग्रंथसूंचियांबदली।नएप्रयोगए नईखोजयानईदृष्टिऔरविचारभूलहीजाइए।जे एन यू याकेन्द्रीयविश्वविद्यालयोंयाअन्यतथाकथितनामचीनविश्वविद्यालयोंनेक्यानयादेदिया है अबतक।बातचुभसकतीहैकिन्तुसचहै।एकछोटासादृष्टांत।निजी जीवन से।बातवर्धाकीहै।महात्मागांधीअंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयमेंदिएगएसाक्षात्कारकी। 2005 चलरहा था ।लंबेइंतजारके बाद साक्षात्कारकक्षमेंपहुंचा।सामनेविशाललंबवतमेजकेदोनोंतरफऔरसामनेकोमिलाकरएकदर्जनसे ज्यादा अनुभवी बौद्धिकताआरामफरमातेमिली।दोहीमिनटबीतेहोंगे।कुलतीनसवाल।मैंबिनकारतूसखलास।शोधशीर्षकमें जुड़ा ' अर्थात ' मेज पर कैक्टसबनगयाऔरश कविताकाअर्थात् ' आंखों में किरकरी।ऐसाहैअकादमिकयथार्थ।वैसेइसविश्वविद्यालयकाअवदानबहुतसुर्खियांबटोरचुकाहैसोजोहुआव हसमझदारकोइशाराभरहै।

Volume 8, Issue2, (April-June 2020)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

कहनायह है किनईशिक्षा नीतिअगरचे' कौशलविकास ' और ' शिक्षणमेंभाषिकक्षेत्रीयता ' कोजमीनीहकीकतबनापातीहैतोअभिव्यक्तिवअभिव्यंजनाकेजोनएऔरअधिकसमीचीनप्रारूपबनेंगे।भाषिकसंलयनकेजरिएवहबौद्धिकता के नवीनउर्वरकसिद्धहोंगे।अंग्रेजीइसीलिएअंतरराष्ट्रीयसंपर्कभाषाबनसकीहैऔरयहतबहुआजबउसनेऑक्सफोर्डदृ कैम्ब्रिजजैसे मठों कोअनसुनाकरलातिनीरुखअपनाया।यहकोईनईप्रक्रियानहीं।अपभ्रंशकीटूटनमेंयहसंभावनास्वमेतहीविद्यमानरहीथीपरराजनीतिकअव्यवस्थाएवमबादकीलंबी गुलामी की स्वाभाविकथकन से जमीमानसिककाईपरजैसेहीअंग्रेजियतकाग्लैमराइज्डसायापड़ा।बाततभीसेबरगलागयी।दरअसलआधुनिकताहमेंप्रकृतरूपमेंनहींमिली।अनचाहेहीअंग्रेजियतकोसामाजिकसंपृक्तिदेनीपड़ी।ब्रिटिशशासनकीमजबूरीरही।उन्हेंलोकलसंसाधनोंकेदोहनसेजुड़नापड़ा।येजुड़ावचूंकिआरोपितथाअतःठीक' ग्लोकल ' तोनहींथापरइसकेनिहितखतरों की ऐतिहासिकचेतावनीनिश्चयहीबनताहै।इसदिशामेंआगेबढ़ने की संभावना बनीहुई है।

बातएकसार्वभौमिकभाषाकीहोरही थी ।।जैसाकिकहाहैअपभ्रंश;अवहट्ट) मेंयहसंभावनाथीऔरआगेचलकरजिस ' दक्खिनीहिंदी ' नेखुदकोसरजा।यदिभाषावैज्ञानिकोंनेउसे ' कोरीसैद्धांतिक ' सेपरेतथाकथितआर्यवद्राविड़भाषाओंकेमध्यकेपुलकेरूपमेंबढ़ाने का प्रयास किया होतातोहिंदीकोसंवैधानिकसहारेकीआवश्यकता नहीं होती।कियायेगयाकिव्याकरणकेअनुशासनकाडंडाअंग्रेजोंकीदुनालीबनबैठा।औरउर्दूटेस्टट्यूबबेबीकेरूपमेंजन्मी।नतीजतनयहांराष्ट्रवादउसभांतिनहींपनपाजैसाअन्यपरतंत्रराष्ट्रोंमेंउभरा।इसकादूरगामीप्रभावयह पड़ाकिरजवाड़ीराष्ट्रवादआजभीक्षेत्रीयराष्ट्रवादके रूप में सामनेहै।जितनेक्षेत्रीयदलयहांहैं।किसीदेशमेंनहींहैं।आश्चर्यहै।किसीइतिहासवेत्तायाराजनीतिविज्ञनेइस पर ध्यान केंद्रित नहींकिया।

वस्तुतरूआजकलत्वरितप्रतिक्रियाअधिकबौद्धिकऔरलोकप्रियहै।6जीकेसमयमें यह आवश्यकताभीबनजाताहै।एफएममेंरीताब्लुटूथअपनीआखिरीसांसेंहीसमर्पितकरसकताहै।श ओटी टी ' इसीलिएई. लिटरेचरकानयाप्लेटफॉर्मबनगयाहैऔर ' सोशलमीडिया ' बहसदृ मुशायरोंदृ गोष्ठियोंकानयाअड्डा।नोटिफिकेशनऔरफ्लैशखबरों का नयारोजनामचा ।दरअसलहमसबडाटाप्रॉसेसिंगयूनिटमेंबदलरहे हैं औरइसकामतलब है ' सिस्टमक्रैश '

Volume 8, Issue2, (April-June 2020)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

कीप्रायिक्ताकाबढ़तेजाना।कृत्रिमन्यूरॉन्सविकसितकिएजा चुके हैं औरमुद्देकी बात यहहै किहमन्यूरॉन्स के बीचकीकड़ीदृ परिभाषिकशब्दावलीमें ' जंक्शन 'ए कोभी ' चिप ' रूपमेंडिजाइनकरचुकेहैं।मानेबहुतजल्दहमकृत्रिमब्रेनबनानेमें कामयाब रहेंगे।वहभीकईगुनाज्यादासक्षम।तबसवालबनताहै।इसदौरमें ' ह्यूमनसॉफ्टवेयर ' काक्याहालहै।32और 64 बिटप्रोसेसरकासंदर्भलीजिए।हमाराब्रेनभीएकप्रोसेसरहै।नईखोजोंसेयह तथ्य सामने आया है किएड्रिनिलनहींहमारास्कल्टनस्वाभाविकप्रतिक्रियाओंके लिए जवाबदेहहै।ऐसेमें ' ह्यूमनहार्डवेयर ' कीदर्शितबढ़तीसमझऔरदख़लनिस्संकोच ' ह्यूमनसॉफ्टवेयर ' कोभीनियंत्रितकरनेकोतैयार है ।मैक्रोबायोमीविज्ञानजगतकाहालकासबसेचर्चितशब्दहै।सीधेहमारेव्यवहारऔरव्यक्तित्वकाआरेखबनाता है ।हमेंसीधेपारिस्थितिकदृ तंत्रसेजोड़ताहै।आजहमजिस"कोरोना त्रासदी"सेजूझरहे हैं।अपनीतमाम"कुटिलता"केबरअक्सभीवहइससेजुड़ताहै औरयदियहांइसतथ्यकोभीध्यानमेंरखें।किकैसेइथोपियाईरेगिस्तानकी 35 मीललंबीदरांचतस्दीकहैइसकी।किअफ्रीकीमहाद्वीपदोहिस्सों मेंटूटरहाहै।तबकोरोनामहज़संयोगयाषड़यंत्रभरनहींरहजाता।क्याउसकेलगातारम्यूटेशनइसबिनापरनहीं परखेजानेचाहिए।

कहासुनाजारहा है कि कोरोनाकालकेबाददुनियापूरीतरहसेबदलजाएगी।सचहै।दुनियातोकईमर्तबाबदलीहै।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छायातनावऔरअविश्वाससिर्फटीजर है।बौद्धिकबरगलाहटऔरवेबकाबढ़तावर्चस्वसामाजिकतानेबानेकोअबदुगनीतेज़ीसेवर्चुअलबनाताजारहा है।मार्क्सनेकभीसोचानहींहोगाकिश्रमऔरउत्पादनकाद्वंद्वयूंअपनीधुरीसेहीफिसलजाएगा।भविष्य की अर्थव्यवस्थाएंमैकेनिज्मपावरऔरडाटाप्रॉसेसिंगएबिलिटीकेद्वंद्वपरआधारितहोगी।मनुष्यसिर्फएकजैविकइ काईबनकररहजाएगा।शोधऔरअनुसंधान का निरीहकेंद्र।जीवनस्वयंकोनएरूपमेंगढ़ेगा।बिलकुल"तर्डिग्रेदस (वॉटरबीयर) कीतरह।तबभविष्य का जीवनस्टारवार्सभीदेखेगा।अस्तु

अचरजइसबातका है ।हमाराबुद्धिजीवीवर्गठीकवहीगलतीदोहरारहाहैजोभक्तिआंदोलन केपुरोधाओंवअनुयायियोंनेकीथी।प्रतिरोधतोकियालेकिनविकल्पनहींदेपाएं।शासनपरतीखीनिगहबानीजन

तांत्रिकहै।किन्तुविरोधके लिएविरोधहो।वहमजमाबनजाताहै।नईशिक्षानीतिपरएकअंग्रेजीदैनिकमेंएककेबादएकदोत्वरितप्रतिक्रिया आई।लाएकौन।दोश इंडियनइंटेलेक्चुअल ' ।पहलेनेविकसितदेशोंकाएग्जाम्पलसेटकरतेहुएशिक्षाकेपूरीतरह से प्राइवेटाइजेशन की वकालतकी।उन्होंनेएकटर्मउद्धृतकी. श घोस्टस्कूल ' ।सरधुनलिया।शायदवेनहींजानतेकियहबोलनेकीआजादीभीउन्हेंप्रजातंत्रनेदीहै।वहीप्रजातंत्रएजोहरप्रकार से ' जनकल्याणकारी ' भूमिकामेंसन्निहित है।भाईजी।पहलेइसकेआजूदृ बाजूऔरपीछेझांकतोआते।अबदूसरेकीभीमथिए।उन्हें ' राष्ट्रवाद ' कोराऔरअसहायनजरआताहै।यहअलहदाहै कि इसीराष्ट्रनेउन्हेंबनायाहै।तुर्रयेकिजिसभारतकोजियाहीनहीं।उसीके लिए इतनेफिक्रजदा हैं।यहतोनमूनाभरहै।बौद्धिकदिवालियेपनका।चिंताजनकस्थितिहै।इसलिएभीक्योंकिनईदुनियामेंहमकहां स्टैंडकरेंगे।इसकाफैसलाहमारीइंटेलेक्चुअलप्रॉपर्टीसेहोगा।ऐसेमेंनईशिक्षानीतिएकठीकठाकस्टार्ट. अपप्रतीत होती है।अपनीजड़ोंकीओर बढ़ते कदम शायदभविष्य का वहभारतघड़पाए।जहां ' इंडिया ' केवलएकबुरासपनाबनबिसूरजाए।

मसलागंभीरहै।इसलिए भी।क्योंकिइस ' कंजेक्चर ' केदरम्याननईशिक्षानीतिकाआगाज़। कुछ नएप्रश्नचिन्हसामनेरखताहै।अभीहालही में कॉविड 19 परदोसमाजशास्त्रीयशोधदृ पत्रप्रकाशितहुएहैं।एकअनुशासनके रूप में ' समाजशास्त्र ' पहलेसेहीअकादमिकजड़ताऔरवैचारिकअराजकताकाशिकाररहाहै।जिसकीपुनःपुष्टिप्रकारांतर सेआरण्कॉनेलकेशोधदृ लेखमेंमिलतीहै।उनकीचिंताजायजहैऔरउनकायहकहनाभीसहीहैकि इस महामारीकेजवाबदेहभीहमहीहैं।खैरएउनकाशोधलेखजिनदोसवालोंकोउठाता है।बड़ीअहमियतरखतेहैं।पहलायहकिकोविड 19जन्यहालिया ' कंजेक्चर ' कोमौजूदासमाजशास्त्रसेसमझपानासंभवनहीहै।दूसराएइसकेप्रभावसेउपजीबेशुमारबेरोजगारीऔरख स्ताहालसंचितनिधियोंने ' कॉरपोरेटप्रबंधकों ' कोअसीमितशक्तिदेदीहै।औरचिंताजनकयहहै कि फौरीदबावमेंविश्वभरकेशिक्षणसंस्थान ' रोजगारउत्पादकइकाई ' के रूप मेंबदलेजारहेहैं।दूसराशोधसैमुएलएलपेरीएवाइटहेडवग्रबसकाहै।जिसमेंसोशलसर्वेपद्धतिकेआधारपरय

हप्रमाणितकियागयाहै किअमेरिकामेंजोतबाहीकोरोनानेमचाई।उसकेलिए ' क्रिश्चियननेशनलिज्म 'जिम्मेदारहै।जिसेशासनकीशयनेफिर ' रेसिज्म ' औरउससरीखेअन्यबायदृ प्रॉडेक्ट ' तकलापहुंचाया।सांकेतिकरूप में इसेपहलेशोधलेख में भीदृवैश्विकपरिदृश्य परए रेखांकितकियागया है ।स्थितियांजितनीबदसेबदतरहोरहीहै।उसकेसापेक्षवैचारिकीउतनीहीलाचारहै।

सारेअनुशासनहतप्रभहैं।जिसतेजीऔरआक्रामकता के साथ इसवायरसनेदुनियाकोलपेटाहै औरलाईलाजबनाहुआ है।उसमेंऐसास्वाभाविकभीहै।किन्तु' अस्तित्वकायहसंकट ' सामूहिकप्रयासकीमांगरखताहै।दूसरेशब्दों में कहें तो श् मल्टीडिसिप्लिनरीअप्रोच ' से ही यहांजिंदारहाजासकता है ।शब्दनयानहींहैपरप्रकार्यात्मकदृष्टिसेदृ विशेषकरआजकीपरिस्थितियों में; इसेनवीनरूपदेनाहोगा।ऐसाकरतेहुएहमेंसमाजशास्त्रए साहित्यऔरविज्ञानदृ इन तीनों को; अपनेअकादमीयखोलसे परे जाकरसाझासमझविकसितकरने की जरूरत है। ' ैवथ्प्रपउमश् इसदिशामें एक शुरुआतीसराहनीयप्रयास है।परअभीउस ' रिजाएम 'कीसख्तऔरतुरंतआवश्यकताहै।शेषअनुशासनइस 'ट्राइएंगल ' कीप्रोसेसिंगवएबिलिटीकीगतिबनेंगे।यहनिश्चितहै।कोरीकल्पनानहीं।यहांसिर्फएकसामान्यसाउदाहरण।' आपघात ' परचर्चाकीगई है ।उसीपरसे।एकश् स्लैब्स ' काआपघातनिरंतरचर्चा में है (. अबतोऐसालगताहै।हमकोरोनासे ज्यादा उसेलेफिक्रमंदहैं) ।यहएकछोटीसीघटनाहीपूर्वोक्त ' रिजाएम ' कीअनिवार्यतादर्शातीहै।यहां यह भी समझना होगा कि घटना ' लॉकडाउन ' केदरम्यानहुई थी ।प्राथमिकऔरबादमेंपीएमरिपोर्टसेभीनिष्कर्षवहीनिकला।परकारणकोसमझनेकीबजायकयासोंकोरंगदियागया।परिजनोंकादर्दजायजऔरस्वाभाविकहै।लेकिनसोशलनेटवर्किंगऔरमीडियानेइसेहमदर्दीकेनाम पर ज्योंबरगलाया।मुझेरघुवीरसहायकी ' कैमरेमेंबंदअपाहिज ' कवितायाददिलागई।आत्महत्यासेतथाकथितहत्यातककेपूरेसफ़रमेंए ; येसफरकिसपरिणतिपरपहुंचेगा।पतानहीं।) जोअबतकपाया।वहहै।संबंधोंकाअस्तित्वसंकटएव्यक्तित्वकाअवमूल्यनएवैज्ञानिकदृष्टिबोधकाअकालएनैतिकताकाअपसरणएसामाजीकरण कीविफलताएबाजारवादकाबढ़तावर्चस्वए मशीनीकरणसेउपजाहीनताबोधए मीडियाकाविचलनएलोकतंत्रपरहावीहोताप्रभुवर्गएसंवेदनाओं की

Volume 8, Issue2, (April-June 2020)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

मार्केटिंगएकॉरपोरेटकल्चरमेंखोतायुवाजोशए

बाज़ारसेप्रभावितजीवनशैलीएअस्मितासेदिग्भ्रमितअस्तित्वबोधऔरभीबहुत कुछ ।अबसवालयहहै कि मौजूदापरिप्रेक्ष्यों के आधारपरसमाजशास्त्रइतनीबड़ीजिम्मेदारीनहींवहन कर सकता।उसेअनिवार्यतरू

विज्ञानकेउसवृहदक्षेत्रकोभीसाझाकरनाहोगा।जिसकीभूमिकापरअबतेजीसेविचारकिया जा रहा है।भवितव्यकीदर्शितबानगियांभलेहीपूरासचनभीहोतबभीभविष्यकामानवकेवल"सामाजिकसंबंधोंके जाल "रूपमें नहीं समझा जा सकता।कोरोनाकालनेजिसतेजी से मशीनीकरणकोरफ़्तारदी है ।वहइसकाएकसंकेतहै।अबबातहैसाहित्यकी।अगरहमेंअपनेजैविकअस्तित्वकोबचाएरखनाहैदृ

जैसाइसविषयपरबनीबहुतसीफिल्मों का समापनभी है; तबयहजरूरीहोजाताहै किहमकम से कम उससंवेदनात्मकधरातलकोअपनेमेंजिंदारखे।जिसेविज्ञान"सर्वाइवल ऑफफिटेस्ट "औरहज़ारी प्रसादजी"जिजीविषाकीअथकपरम्परा"मानतेहैं।यहीं सेशुरूहोती

हैसाहित्यकीप्रस्तावितभूमिका।दरअसलसमाजऔरविज्ञानकोहमनेंबांटा।अपनीसुविधाके लिए ।जैसेकोरोनाकेसचकोबांटकेदेख रहे हैं

।आदतहैहमारी।लेकिनमशीनश्रेणीयावर्गीकरणनहींदेखती।ऐसीएकात्मदृष्टिहमेंबनानी है ।इसकेलिए"जन.विज्ञान"एकबेहतरविकल्पबनताहै।यद्यपि 'लोक.

विज्ञान 'माने 'इथनोसाइंस 'एकअनुशासनकेरूपमेंअवस्थितहै।उसमेंसंभावनाएंथी।लेकिनउसेभीसायास 'एंथ्रोपोलॉजी 'केइर्ददृ

गिर्दकीअकादमिकतामेंकसदियागया।दरअसलचूंकि 'ऐथनो 'शब्दअपनीऐतिहासिकतामें 'कल्चर 'सेसंसक्तिरखताहै।एतदयहांविज्ञानकापरिसीमन 'नेटिवसाइंस 'केरूपमेंकरदियागया।इस 'अकादमीयपूर्वाग्रह 'कापहलेसंकेतकरआएहैं।औरइसपरपूर्वमेंभीसवालउठाएगएहैं।वस्तुतः 'जनदृ

विज्ञान 'कोहमउसबिंदुसेविकसितकरसकतेहैं।जहांपर 'इथनोसाइंस 'बरबसरोकदियागया।यदिमिशेल फॉकऑल्टकेशब्दलेंतोइसे 'चिंतनकीप्रणाली 'कहसकतेहैं।

३३ण्३३

संदर्भरू

1ण ल्नअंस छवी भ्तंतप रू भ्वउव कमने रू जीम भ्पेजवतल वि जीम ज्वउवततवू यभ्मतअपससेमबामतए मदहसपीमकपजपवद2016ण

2ण रैंसपम टंसपंदज रूछंजनतमश् ।सहवतपजीउे वित स्मंतदपदह दक च्तवेचमतपदह पद ब्वउचसमग वतसक य च्मतेमने ठववो ळतवनच 2013ण

3ण च्मततल उनमस रू धैपजमीमंके ।दकतमू रू ध्ळतनइइेश्रवीनं ठण रू ब्नसजनतम ते दक ब्टप्क्.19 ब्वदकनबजरू बेतपेजपंद छंजपवदंसपेउए त्मसपहपवेपजलए दक ।उमतपबंदे ठमींअपवत क्नतपदह जीम ब्वतवदंअपतने च्ंदकमउपब य थ्पतेज चनइसपीमक 26 रनसल 2020 ; श्रवनतदंस वित जीम बपमदजपपिब जनकल वि त्मसपहपवद
द्धीजजचेरू्ध्कवपण्वतह्ध10ण1111ध्रेतण12677

4ण ब्वददमससंत्मूलद रूब्वअपक. 19श् वबपवसवहलय थ्पतेज चनइसपीमक 29 रनसल 2020 ; श्रवनतदंस वि वबपवसवहल द्ध
ीजजचेरू्ध्कवपण्वतह्ध10ण1177ध्1440783320943262

5ण डबप्दजवी डंतल रूफनमेजपवदे वि जीमवतल रू डवकमतद ज्तमदके पद वबपवसवहलय च्नइसपीमक पद ड।त्प्ड ज्व।ल मचजमउइमत 1977ण

6ण ।जतंदैबवजज रूैवबपंस बपमदबम प्दवितउंजपवद ध्नत स्मे बपमदबमे वबपंसमेय म्जीदवेबपमदबमज्वकंल;1991द्ध 30 ;4द्धरू 595द्ृ662ण कवपरू10ण1177ध्053901891030004001

7ण ठमदेवदए ळण्क्ण रू जीम उपेतमचतमेमदजंजपवद वि बपमदबम इल चीपसवेवचीमते दक जमंबीमते वि बपमदबम य ल्दजीमेम 80ए 107द्ृ119 ;1989द्ध रू
ीजजचेरू्ध्कवपण्वतह्ध10ण1007ध्ठथ्00869950

8ण प्दहवसक ज्पउ रू जीम च्मतबमचजपवद वि जीम म्दअपतवदउमदजरू म्ेेले वद सपअमसपीववकए कूमससपदह दक ापससय2000 स्वदकवदए न्ज्ञरू त्वनजसमकहमण

9ण बीमजमळमवतहम रू छंजपअम बपमदबम रू छंजनतंस ृं वि प्दजमतकमचमदकमदबम य ब्समंत स्पहीज चनइसपीमत 2000ण

10ण ळमवतहपदं डण जमूंतज छंजपअम बपमदबमरू म्दबलबसवचमकपं वि वबपंस म्कनबंजपवद 2014

Volume 8, Issue2, (April-June 2020)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

क्व 10ण1007ध्978.94.007.6165.0ऋ362.6

11ण छमू म्कनबंजपवद च्वसपबल वि प्दकपं रू ोजजचेरूध्ध्ूूण्ऊीतकण्ळवअण्पद

12ण ळनतनबींतंद वें रू व्दम ंदक ।ोंसि बिममते ; छम्च चतवउपेमे उनबीए इनज पिसे जव बवउम जव हतपचे ूपजी प्दकपंश्े मकनबंजपवद बतपेपे द्ध य जीम ज्पउमे वि प्दकपं ।नहनेज 1ए2020ण

13ण ।दपजं त्ंउचंस रू छम्च रू त्मंके सपाम ंद पउचतमेपअम ूपी सपेज इनज इंतजमते तपहीज जव मकनबंजपवदय जीम ज्पउमे वि प्दकपं ।नहनेज 2ए2020ण